भा कृ अनु प - केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान

हिन्दी दिवस 2024

संदेश

मैं भा कृ अनु प - केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचिन एवं संस्थान के सभी अनुसंधान केन्द्रों के सभी सहकर्मियों को हिन्दी दिवस के सुअवसार पर अभिवादन करता हूँ। अनेकता में एकता यह है भारत एवं हिन्दी भाषा की विशेषता। भारत जैसे बहुभाषिक देश के सामाजिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता हिन्दी में है। हिन्दी, एक संपर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा अब विश्व भाषा के रूप में प्रगतिशील है। इस विकासशीलता की परिकल्पना की ओर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा।

आप सब जानते है कि 14 सितंबर को हिन्दी को सांविधान में राजभाषा के रूप में मान्यता मिली। भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा देश के गृह मंत्री की अध्यक्षता में वर्ष 2020 से हिन्दी दिवस के साथ अखिल भारतीय राजभाषा समारोह संयुक्त रूप से देश के विभिन्न शहरों में मनाया जा रहा जिसमें देश के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी भाग ले रहे हैं। संस्थान के राजभाषा अधिकारी भी हर वर्ष अपनी सहभागिता इसमें दर्ज कर रहे हैं।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी भाषा से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में होने वाले निरंतर विकास के साथ नई-नई शब्दावली एवं तकनीकी पद-विन्यास का समावेश हिन्दी में हो रहा है। आज हिन्दी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का विकल्प प्रस्तुत कर रही है। हिन्दी भाषा की इस नई प्रयुक्ति ने सफलता के शिखर छुए हैं। वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग ने तकनीकी शब्दावली का निर्माण कर इस प्रयुक्ति के मार्ग को और भी आसान कर दिया है और इसमें हमेशा वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों की वृद्धि कर रहा है। यह भाषा बोलचाल की भाषा से भिन्न होती है। हिन्दी भाषा ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रयुक्ति के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं के शब्दों के साथ साथ विदेशी भाषा के शब्दों को भी काफी मात्रा में अपनाया है। अतः इस सुअवसार पर मेरा आग्रह है कि संस्थान के आप सब अपने छोटे छोटे प्रयासों से हिन्दी की विकास यात्रा में अपना बहुमूल्य योगदान दे और अपने दैनिक कार्य में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करें।

डॉ.जोर्ज नैनान
निदेशक

14 सितंबर 2024